आज का पुरुषार्थ 15 July 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आज चले सम्पूर्णता के ओर .. एक कदम आगे बढ़ाये .. पारफेक्ट बनकर औरों को बनने में मदद करे "*

बाबा ने हमें **सम्पूर्ण** बनने का **श्रेष्ठ लक्ष्य** प्रदान किया है। Perfection बहुत बड़ी बात है। पहले तो हम सुनते थे perfect तो केवल एक भगवान ही है। और कोई तो perfect हो ही नहीं सकता।

लेकिन अब बाबा ने हमें एक बहुत सुन्दर न केवल **लक्ष्य** दिया, लेकिन **guideline** भी दी। कि तुम किस तरह perfection को प्राप्त करो।

हर बात में perfect **चारों ही subjects में** अगर हम perfect होंगे तो perfection सहज आ जायेगी। **हमें पारफेक्ट होना है सर्वगुणों में, सर्व शक्तियों में और सम्पूर्ण पवित्रता में।**

तीन चीजों पर विशेष ध्यान देंगे, तो बाकी चीजें पीछे पीछे स्वतः ही आ जायेंगी।

जब हम **ज्ञान** में perfect होते है तो हमारे विचार महान होते है। हमें रोज़ रोज़ गाइडलाइन मिलती है। **सेवाओं** के फ़ील्ड में रहने से हम **गुणों** में स्वयं को perfect कर सकते है।

हमें पता चलता है हमारे अंदर कौन सी कमी है। और **गुणों** में पारफेक्शन तब ही आयेगी जब हम अपने कमियों के बारे में जागरूक रहेंगे और उन्हें निकालने में तत्पर होंगे, तैयार होंगे, इच्छुक होंगे।

तो एक **सम्पूर्णता** के राही को अपने कमियों को जल्द से जल्द निकालना चाहिए। यह नहीं कि कोई कमी सालों साल चलती आ रही हो, उस कमी के अधीन होकर हम अपना जीवन जी रहे हो।

तब तो **सर्व गुणों** में पारफेक्शन आयेगी नहीं। हम ध्यान दे, योगबल से हम शक्तियों में पारफेक्ट बनते है। योगबल सबसे बड़ा बल है। इससे सारी शक्तियाँ आत्मा में समाने लगती है।

और साथ साथ हम संकल्प किया करें कि... "**मुझमें यह सारी शक्तियाँ है**" ... तो सारी शक्तियाँ पारफेक्टली काम करती रहेंगी। **आठों शक्तियाँ** एकसाथ। जब चाहे कार्य में लगी रहे। यह होगी शक्तियों की सम्पूर्णता।

पवित्रता की सम्पूर्णता जो **धारणाओं** का सबजेक्ट है उसपर भी हमें बहुत ध्यान देना है। **संकल्प** में भी कहीं कोई आकर्षण न रहे।

आकर्षण बहुत है इस संसार में। आकर्षणों की कोई कमी नहीं। और जो ज्ञान **योग** के पथ पर आगे बढ़ते है, जिन्होंने **पवित्रता** के मार्ग को अपना लिया है .. उनके सामने भी माया अनेक आकर्षण पैदा करती रहती है।

कभी **धन** का आकर्षण है, कभी किसी **देह** का आकर्षण है, कभी किसी **श्रेष्ठ वस्तु** का आकर्षण है और कभी **मान शान** का आकर्षण है?

चेक कर ले कोई आकर्षण हमें अपनी ओर आकर्षित तो नहीं कर रहा है? विशेष रूप से **देह का आकर्षण**, किसी विकार का आकर्षण। इससे यदि हम **मुक्त** होते जायेंगे तो बाकी आकर्षण सहज ही समाप्त होते जायेंगे।

इसके लिए हमें बहुत ध्यान देना है। त्याग और वैराग्य वृत्ति सदा ही अपनाकर रखनी है। यह आकर्षण देहभान की निशानी है। यह आकर्षण अपवित्रता की निशानी है।

और यह आकर्षण हमें कभी भी हमारे **लक्ष्य** की ओर जाने नहीं देंगे। जैसे धरती के आकर्षण से हर वस्तु नीचे आती रहती है। वैसे ही यह संसार के आकर्षण हमें बार-बार नीचे खींचकर जमीन पर लाते रहेंगे। और हमें उड़ने नहीं देंगे।

इसलिए **यह सब विनाशी है।** यह आकर्षण हम मायाजीत बनने वालों के लिए बहुत बड़े शत्रु है। इनके बारें में हमें जागरूकता होनी चाहिये। सूक्ष्म रूप से भी किसी चीज़ का आकर्षण हममें न हो।

आज सारा दिन हम अपने सम्पूर्ण स्वरुप को सामने देखें। एक विज़न बनाये " ***मेरा सम्पूर्ण स्वरुप ऐसा होगा .. मेरी सम्पूर्ण पवित्रता ऐसी होंगी***"

और फिर अभ्यास करे... " ***मुझे सम्पूर्ण बनाने के लिए बाबा निरंतर अपनी किरणें मुझ पर डाल रहे है***"

... तो बाबा की किरणों के फाउन्टेन के नीचे है हम ...

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org